



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

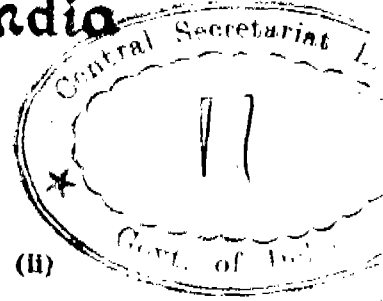
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 9] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 6, 1975/पोष 16, 1896

No. 9] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 6, 1975/PAUSA 16, 1896

इ भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th January 1975

S.O. 15(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 20 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) read with sub-clause (ii) of clause (4BBB) of section 17 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 605 (E), dated the 10th October, 1974, published at page 2047 of the Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 10th October, 1974 namely:—

In the said notification for the words "five crores of rupees" the words "ten crores of rupees" shall be substituted.

[No. F. 56-JS(IF)(S)/74]

R. M. BHANDARI, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1975

का० आ० 15 (अ).—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का दूसरा) की धारा 17 के खण्ड (4 बी बी बी) के उपखण्ड (ii) के साथ पठित भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52 वां) की धारा 20 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एषद्वारा यह निर्देश देती है कि 10 अक्टूबर, 1974 के भारत के असाधारण राजपत्र के पृष्ठ 2047 भाग ii खण्ड 3, उपखण्ड (ii) पर प्रकाशित 10 अक्टूबर, 1974 को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 605 (ई) में निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शब्दां “पांच करोड़ रुपये” के स्थान पर शब्द “दस करोड़ रुपये” लिखे जाएंगे।

[मं० एक० 56-जे० ए० (आई० एफ०) (ए०)/74]

रणजीत मल भण्डारी, संयुक्त सचिव।